Telangana Today 11-May-2021

Nizam Sagar to get more Godavari water

M SRINIVAS
Hyderabad

The Nizam Sagar project in Kamareddy district will get 3 TMC more of Godavari River water by June end, facilitating Irrigation Department officials to meet agriculture requirements in one lakh acres under the dam during the Vaanakalam (Kharif) season.

Of the 4 TMC of Godavari River water, one TMC has already reached the dam from Haldi Vagu a few days ago in addition to the already dammed 6 TMC water. Officials said 10 TMC water would be sufficient to meet the requirements in the Vaanakalam season. If monsoon sets in early, additional rain water will also be getting into the dam to supplement the irrigation needs, they said.

The project will get 3 TMC more by June end to meet agriculture requirements in one lakh acres during Vaanakalam. — Photo: L Ravinder

As part of the mega Kaleshwaram Lift Irrigation Scheme (KLIS), the Nizam Sagar project started receiving Godavari waters from last week after lifting it from Kondapochamma reservoir. The Godavari River water reached the backwaters of the dam at Golilingala at Nagireddypeta mandal in Kamareddy district on April 20 rejoicing the farmers in the area. Earlier on April 6, Chief Minister K Chandrashekhar Rao released Godavari water from Kondapochamma reservoir into Haldi Vagu at Avusulapalli in Wargal mandal of Siddipet district.

"We are hopeful of supplying water to one lakh acres ayacut under the dam during Kharif once a total 4 TMC water reaches by June end," said T Srinivas, Irrigation Chief Engineer, Kamareddy district. The dam will be receiving 3 TMC water in next 45 days, he said.

Evaporation

Over 1,600 Cusecs of water is discharged from Kondapochamma reservoir every day to flow into Nizam Sagar covering 96 kms from Haldi Vagu. However, the dam is getting only 800 Cusecs of water because of 30 per cent of evaporation and transmission losses during natural canal flow. "Owing to summer, there are evaporation and transmission losses while water is flowing towards the dam. En-route, the farmers are also drawing water with the help of submersible motors," he explained. The dam received surplus water because of bountiful rains during the last monsoon. This resulted in supplying water to one lakh acre during the Rabi season, he added.

Deccan Chronicle 11-May-2021

JAL JEEVAN | MISSION **UT of Puducherry is now planning for effective treatment of greywater**

Puducherry achieves 100% tap water connection

New Delhi, May 10: Puducherry has achieved the target of 100 per cent piped water connection in rural areas under the Jal Jeevan Mission, the Jal Shakti ministry said on Monday.

Punjab, Dadra and Nagar Haveli, and Daman and Diu too have crossed the milestone of covering 75 per cent of rural homes with assured tap water supply, the ministry added.

"Puducherry has become 'Har Ghar Jal' UT by ensuring that every rural home in the Union Territory gets a household tap connection, the ministry said in a statement.

All 1.16 lakh rural households in Puducherry have tap water supply now, it said.

With this, the Union Territory became the fourth State/UT after Goa, Telangana and Andaman and Nicobar Islands to provide assured tap water supply to every rural home under the Centre's flagship programme by 2024.

● PUDUCHERRY HAS 84 irrigation tanks and more than 500 ponds which are the lifeline for groundwater recharging systems, drinking water and agriculture.

"Puducherry's achievement is another timely indicator of JJM's success as people living in rural areas can practice regular handwashing at home and maintain physical distancing by avoiding crowds at public stand posts, it said.

In Punjab, 26.31 lakh households (76 per cent) out of 34.73 lakh have tap water supply and it plans for 100 per cent coverage of all rural households by 2022.

The UT of Puducherry is now planning for effective treatment and reuse of greywater coming out of homes.

The UT is actively working towards water source sustainability. The four regions, namely the Pondicherry region, Karaikal, Yanam and Mahe region are at different locations, geographically separated from each other.

Puducherry has various rivers and tributaries. There are five rivers in Puducherry district, seven in Karaikal district, two in Mah district and one in Yanam district drain into the sea, but none originates within the territory, the ministry said.

Puducherry has 84 irrigation tanks and more than 500 ponds which are the lifeline for groundwater recharging systems, drinking water and agriculture.

Puducherry has been consistently working towards de-silting of ponds and rejuvenation of its local water bodies, which is crucial for drinking water supply schemes, it added. — *PTI*

Dainik Jagran 11-May-2021

सहेज रहे बारिश का पानी और बहा रहे विकास की धारा

फरीदकोट में मचाकी कलां ग्राम पंचायत ने सूख चुके तीन तालाबों का किया जीर्णोद्धार, अतिरिक्त पानी का सिंचाई में करते हैं इस्तेमाल

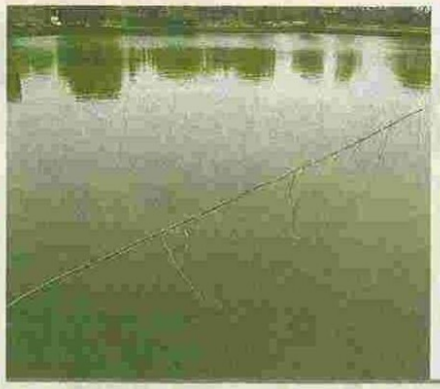

<< पानी से लबालब गांव का तालाब ● जागरण

^^ पंचायत द्वारा गांव में बनाया गया श्मशानघाट ● जागरण

प्रदीप कुमार सिंह ● फरीदकोट

पंजाब में फरीदकोट के मचाकी कलां ग्राम पंचायत को पंडित दीनदयाल सशक्तीकरण राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में अपनी मेहनत और समर्पण का मीठा फल मिला है। पंचायत को यह पुस्कार पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को मिला। इसका श्रेय गांव के सरपंच गुरशिविंदर सिंह को जाता है। इस ग्राम पंचायत में न केवल बारिश के पानी को सहेजा जा रहा है, बल्कि यह पानी जरूरत के समय खेतों की सिंचाई में भी इस्तेमाल हो रहा है।

सरपंच ने गांव के सूख चुके पुराने तीन तालाबों का जीर्णोद्धार करवाया है। इन तालाबों में अब बारिश व वाटर वर्क्स के अतिरिक्त पानी को इकट्ठा किया जाता है। इन तालाबों की वजह से ही गांव का भूजल स्तर 30 से 32 फीट से नीचे नहीं गया है। इनमें वर्ष भर पानी भरे रहने से गांव को खारे पानी की समस्या से भी निजात भी मिल गई है।

2013 से गांव के सरपंच गुरशिविंदर सिंह ने बताया कि सरपंच बनने से पहले उनके मन में था कि गांव के पुराने तालाबों की दशा सुधरे। साथ ही, बारिश के पानी को भी सहेजा जाए। बकौल गुरशिविंदर सिंह सरपंच बनने के बाद मैंने गांव के विकास के लिए कई काम किए, लेकिन साढ़े चार एकड़ में फैले तीनों तालाबों के जीर्णोद्धार का काम मेरी महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। मनरेगा के माध्यम से इन तालाबों को नया जीवन दिया गया। अब इन तालाबों में बारिश का पानी जमा होता है। गांव के वाटर वर्क्स का पानी यूं ही बर्बाद होता था, जिसे पाइप के माध्यम से तालाब से जोड़ दिया। अब वाटर वर्क्स का पानी भी तालाब में भरता रहता है। बारिश के दिनों में इन तालाबों में जो पानी ज्यादा हो जाता है, उसे धान की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तीनों तालाब फिर से पानी से भर जाने के कारण अब यहां कई वे पक्षी दिखने लगे हैं, जो गायब हो चुके थे।

गुरशिविंदर ने बताया कि सरपंच बनने के बाद उन्होंने गांव में छह करोड़ रुपये से अधिक अनुदान राशि लाकर विकास कार्य किए हैं। गांव में अब न तो कोई सड़क और न ही कोई गली कच्ची है। सभी में इंटरलाकिंग टाइलें लगी हुई हैं। गांव के गंदे पानी की निकासी के लिए समुचित प्रबंध हैं। गंदे पानी की निकासी के लिए अधिकांश नालियां अंडरग्राउंड हैं। गांव में पुरुषों व महिलाओं के लिए अलग-अलग पार्क बनाए गए हैं। बच्चों के लिए झूले व सैर के लिए फुटपाथ बनाए गए हैं। गांव के श्मशानघाट का भी जीर्णोद्धार किया गया है। गांव में पंचायत भवन, सामुदायिक हाल, स्कूल, डिस्पेंसरी आदि का सुंदरीकरण किया गया है।

पंचायत बनवा रही मैरिज हाल

गुरशिविंदर सिंह, सरपंच

सरपंच गुरशिविंदर सिंह ने बताया कि गांव के लोगों के लिए शादी के समय मैरिज हाल बुक करना मुश्किल भरा काम होता है। इसमें अधिक पैसे लगते हैं। इसे देखते हुए गांव में 500 लोगों की क्षमता वाला मैरिज हाल बनाया जा रहा है। इससे गांव के लोगों को सुविधा होगी। इसे ग्राम पंचायत अपनी बचत और अन्य अनुदानों से बनवा रही है।

जल का जागरण

दैनिक जागरण अपने जल संरक्षण सरोकार के तहत जल को सहेजने के सतत प्रयास में लगा है। इसी क्रम में लोगों को जागरूक करने के लिए जल प्रहरियों की कहानियां आप तक पहुंचाई जा रही हैं।

स्कैन करें और पढ़ें 'सहेज लो, हर बूंद' अभियान की अन्य सामग्री।